

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 09 September 2026

करनैलगंज मे वैष्णो देवी गुफा : नवरात्र मे माता के दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

CL SAINI

Published on 29 Sep 2025



करनैलगंज (गोंडा)। शारदीय नवरात्रि के शुभ अवसर पर करनैलगंज नगर में भक्ति और आस्था का एक अद्वितीय संगम देखने को मिल रहा है। यहाँ के भक्तों के लिए विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र बनी है **वैष्णो देवी गुफा**, जिसे **स्टेशन रोड** पर वैष्णो देवी कटरा की तर्ज पर सजाया गया है।

गुफा की स्थापना **वैष्णो देवी गुफा कमेटी** द्वारा की गई है, और यह स्थल श्रद्धालुओं के बीच विश्वास, भक्ति और दिव्य अनुभव का प्रतीक बन चुका है। लगभग 200 फीट गहरी इस गुफा में माता **दुर्गा** पिंडी रूप में विराजमान हैं, जो भक्तों को दर्शन देकर उनके सभी संकटों का निवारण कर रही हैं।

गुफा के भीतर अद्भुत दृश्य और भक्ति का अनुभव

गुफा में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं को माता **लक्ष्मी**, **महाकाली** और **महासरस्वती** के मंत्रमुग्ध कर देने वाले स्वरूप दिखाई देते हैं। इन देवी-देवताओं की झांकियां भक्तों को वास्तविक वैष्णो देवी यात्रा की अनुभूति कराती हैं।

विशेष रूप से गुफा में स्थित **भगवान शिव की विशाल शिवलिंग** पर मां गंगा द्वारा किया जा रहा जलाभिषेक श्रद्धालुओं को अत्यधिक आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। जल की बूँदें शिवलिंग पर गिरते ही वातावरण में भक्तिमय ऊर्जा फैलाती हैं, जो हर दर्शनार्थी के हृदय को श्रद्धा और भक्ति से भर देती है।

गुफा की प्रमुख विशेषताएँ

वैष्णो देवी गुफा में श्रद्धालुओं के लिए कई महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक स्थापित किए गए हैं। इनमें प्रमुख हैं:

- चरण पादुका:** माता वैष्णो देवी के पावन चरणों का प्रतिनिधित्व करती हैं।
- बाणगंगा:** गुफा में स्थित पवित्र बाणगंगा भक्तों को शुद्धता और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव कराती है।

- **गर्भगुफा:** माता के पिंडी स्वरूप की सबसे पवित्र जगह, जहां भक्तों को मुख्य दर्शन होते हैं।
- **कालभैरव प्रतिमा:** सुरक्षा और शक्ति का प्रतीक, जो भक्तों को निडर बनाती है।

इन सभी तत्वों ने गुफा को ऐसा रूप दिया है कि श्रद्धालु हर कदम पर वास्तविक **जम्मू त्रिकूट पर्वत** की यात्रा का अहसास कर सकें।

भक्तों की उमड़ी भीड़

नवरात्र के दौरान इस गुफा में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ रही है। स्थानीय प्रशासन और गुफा कमेटी ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त इंतजाम किए हैं।

भक्त गुफा में प्रवेश कर माता के दर्शन करने के बाद अपने जीवन की सभी परेशानियों और संकटों से मुक्ति पाने की प्रार्थना करते हैं। छोटे-बड़े, सभी उम्र के लोग गुफा में श्रद्धा और भक्ति के साथ माता के दर्शन कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों और कमेटी की भूमिका

वैष्णो देवी गुफा कमेटी ने गुफा की सजावट और संरचना में विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने गुफा के भीतर हर विवरण को अत्यंत सावधानी और निष्ठा से डिजाइन किया ताकि भक्तों को वास्तविक यात्रा का अनुभव हो।

स्थानीय लोग भी इस आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल हुए। उन्होंने भक्ति और सेवा की भावना के साथ गुफा में श्रद्धालुओं की मदद की और दर्शन की व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा।

आस्था और भक्ति का संदेश

वैष्णो देवी गुफा केवल दर्शन का स्थल नहीं है, बल्कि यह भक्तों के लिए **आस्था, भक्ति और मानसिक शांति** का केंद्र भी बन गई है। यहां आकर श्रद्धालु अपने मन की शांति पाते हैं और माता के चरणों में अपनी मनोकामनाओं को समर्पित करते हैं।

गुफा में उपस्थित **लक्ष्मी, महाकाली, महासरस्वती और शिवलिंग** की झांकियां दर्शाती हैं कि आध्यात्मिक यात्रा के साथ-साथ मानव जीवन में धर्म और शक्ति का संतुलन कितना महत्वपूर्ण है।

नवरात्रि में गुफा की विशेष भूमिका

शारदीय नवरात्रि के अवसर पर यह गुफा भक्तों के लिए विशेष महत्व रखती है। नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा का आयोजन यहां किया जाता है। भक्तों का मानना है कि इस दौरान माता के दर्शन करने से उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

करनैलगंज की वैष्णो देवी गुफा न केवल नगरवासियों के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए भक्ति और आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुकी है। लगभग 200 फीट गहरी इस गुफा में मां दुर्गा के पिंडी स्वरूप, देवी लक्ष्मी, महाकाली और महासरस्वती के दर्शन और शिवलिंग पर जलाभिषेक जैसी अनूठी झांकियां भक्तों के मन में वास्तविक वैष्णो देवी यात्रा का अनुभव कराती हैं।

गुफा ने यह साबित कर दिया है कि भक्ति, सेवा और श्रद्धा का संगम किसी भी नगर या क्षेत्र को आध्यात्मिक केंद्र में बदल सकता है। नवरात्र के अवसर पर यहां आने वाले श्रद्धालु माता के दर्शन कर जीवन में मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव कर रहे हैं।